प्रिय पाठकों।

आपमें से बहुत से लोग अंतरिक्ष की सैर के सपने देखते होंगे, अंतरिक्ष-यान के चालक भी बनना चाहते होंगे, ताकि अंतरिक्ष पर विजय प्राप्त कर सकें, नये-नये ग्रहों पर जा सकें। लेकिन यह जान लें कि अंतरिक्ष का रास्ता सरल नहीं है। अंतरिक्ष पर जाना कोई काल्पनिक यात्राएँ ही नहीं है, जैसा कि विज्ञान-गल्पों में लिखा रहता है। यह कठिन और खतरनाक भी है, इसके लिए लगन व त्याग चाहिये। जो अंतरिक्ष को अपना जीवन अर्पित करना चाहते हैं, उन्हें ये बातें याद रखनी चाहिये।

अंतरिक्ष का रास्ता कहाँ से शुरू होता है? सर्वप्रथम उच्च शिक्षा से। भावी अंतरिक्ष यात्री को शिक्षित होना चाहिये, जिससे वह स्वस्थ रहे, सहनशील और शक्तिशाली बना रहे।

आपने अंतरिक्ष से सम्बन्धित बहुत किताबें पढ़ी होंगी। यह किताब अंतरिक्ष के साथ सीधा संबंध रखती है। इस किताब को सिर्फ पढ़ना ही नहीं चाहिये, इसमें जो कुछ लिखा हुआ है, उसे अपने हाथों से करना भी चाहिये-सरल उपकरण और उनके प्रतिरूप बनाना, उनके साथ मनोरंजक प्रयोग करना जो अंतरिक्ष से वास्ता रखते हैं।

कौन जानता है, यही से सरल प्रयोग ही आपके लिये अंतरिक्ष में पहला कदम सिद्ध हो? मेरी हार्दिक कामना है, मित्रों, कि आपको सफलता मिले, आपकी यात्रा खुशियों से भरी हो।

Seemy

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR

वैज्ञानिक प्रयोग

सम्पादक
डॉ. चेतना शर्मा

प्रकाशक
आशा पब्लिकेशन्स
प्रताप नगर, जयपुर

©
सुरक्षित

प्रथम संस्करण
2018

ISBN
978-93-85448-17-1

मूल्य
₹ 250/- मात्र

लेजर टाइपसैटिंग
जैन कम्प्यूटर्स

मुद्रक
हरीश प्रिन्टर्स, जयपुर

प्रस्तावना

प्रिय पाठकों!

आपमें से बहुत से लोग अंतरिक्ष की सैर के सपने देखते होंगे, अंतरिक्ष-यान के चालक भी बनना चाहते होंगे, ताकि अंतरिक्ष पर विजय प्राप्त कर सकें, नये-नये ग्रहों पर जा सकें। लेकिन यह जान लें कि अंतरिक्ष का रास्ता सरल नहीं है। अंतरिक्ष पर जाना कोई काल्पनिक यात्राएँ ही नहीं है, जैसा कि विज्ञान-गल्पों में लिखा रहता है। यह कठिन और खतरनाक भी है, इसके लिए लगन व त्याग चाहिये। जो अंतरिक्ष को अपना जीवन अर्पित करना चाहते हैं, उन्हें ये बातें याद रखनी चाहिये।

अंतरिक्ष का रास्ता कहाँ से शुरू होता है? सर्वप्रथम उच्च शिक्षा से। भावी अंतरिक्ष यात्री को शिक्षित होना चाहिये, जिससे वह स्वस्थ रहे, सहनशील और शक्तिशाली बना रहे।

आपने अंतरिक्ष से सम्बन्धित बहुत किताबें पढ़ी होंगी। यह किताब अंतरिक्ष के साथ सीधा संबंध रखती है। इस किताब को सिर्फ पढ़ना ही नहीं चाहिये, इसमें जो कुछ लिखा हुआ है, उसे अपने हाथों से करना भी चाहिये-सरल उपकरण और उनके प्रतिरूप बनाना, उनके साथ मनोरंजक प्रयोग करना जो अंतरिक्ष से वास्ता रखते हैं।

कौन जानता है, कहीं ये सरल प्रयोग ही आपके लिये अंतरिक्ष में पहला कदम सिद्ध हो? मेरी हार्दिक कामना है, मित्रों, कि आपको सफलता मिले, आपकी यात्रा खुशियों से भरी हो।

-डॉ. चेतना शर्मा

Principal
Kanoria PG Mahila Mahavidyalaya
JAIPUR